खबर संक्षेप

गांधी जयन्ती पर होगी सर्व धर्म प्रार्थना

सतना। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर प्रातः 6:30 सिविल लाइन क्षेत्र होटल भरहुत तिराहा में स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास से प्रभातफेरी निकल जाएगी प्रभात फेरी पुलिस अधीक्षक कार्यालय के समीप से गुजरते हुए वापस भरहुत तिराहा में महात्मा गांधी जी की प्रतिमा के समक्ष पहुंचकर सर्व धर्म प्रार्थना करेगी इस मौके पर देश के कुछ ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा होगी तत्पश्चा राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन होगा।

शहीद पदमधर सिंह पुस्तकालय के सामने फैला अतिक्रमण

सतना। इंदिरा गांधी कॉलेज के सामने स्थित शहीद पदमधर सिंह पुस्तकालय के बाहर अतिक्रमण पूरी तरह से फैल गया है। इस अवैध कब्जे और भीड़भाड़ के चलते पुस्तकालय तक पहुंचने वाले छात्र-छात्राओं को रोजाना आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। विद्यार्थियों ने इस समस्या के जल्द समाधान की मांग की है।

जिला अस्पताल गेट के सामने भीषण जाम

सतना। शहर के जिला अस्पताल के मुख्य गेट के सामने गुरुवार को भारी बंदी के कारण भीषण जाम लग गया।अस्पताल पहुंचने वाले एम्बुलेंस और अन्य वाहन इस जाम में बुरी तरह फंस गए,जिससे मरीजों और उनके परिजनों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। मुख्य द्वार के पास वाहनों की लंबी कतारें लग जाने से गंभीर मरीजों को अस्पताल के अंदर ले जाने में भी पसीने छूट गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां जाम लगना कोई नई बात नहीं है,बल्कि यह एक रोजमर्रा की समस्या बन चुकी है। अस्पताल के आसपास यातायात नियंत्रण का पूरी तरह अभाव है,जिससे स्थिति अक्सर विकट हो जाती है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि इस अव्यवस्था और जाम के कारण किसी मरीज को समय पर इलाज न मिलने से कोई अनहोनी हो जाती है,तो इसकी जवाबदेही किसकी होगी? एक अतिसंवेदनशील और आपातकालीन सेवा वाले स्थान के सामने ऐसी लापरवाही प्रशासनिक संवेदनहीनता को दर्शाती है। समय आ गया है कि जिला प्रशासन और यातायात विभाग इस गंभीर मुद्दे पर तुरंत कड़े कदम उठाए। अस्पताल के सामने नो-पार्किंग जोन सख्ती से लागू हो और अतिक्रमण हटाया जाए,ताकि मरीजों को जीवनरक्षक उपचार समय पर मिल सके और उन्हें इस प्रकार की अवांछित परेशानियों से मुक्ति मिल सके।

दो साल से नहीं बनाई जा रही नाली के ऊपर की सड़क

सतना। शहर के वार्ड क्रमांक 41 मे हनुमान चौक के समीप हीरा काम्प्लेक्स के बगल से गली के अंदर जाने वाले रास्ते में नाली के ऊपर की सड़क करीब दो साल पहले थोड़ा सा टूटी थी। धीरे धीरे उसने बड़ा रूप ले लिया करीब एक साल से नगर निगम मे आवेदन लगाया जा रहा है किंतु कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। कई व्यापारी प्रतिष्ठान होने से दिन भर दो पहिया वाहनो का आवगमन होता है किसी भी दिन कोई गिर कर घायल हो सकता है।

सिविल अस्पताल मैहर की खराब लिफ्ट पर उठे सवाल

मैहर। सिविल अस्पताल में मरीजों और अस्पताल कर्मियों की सुविधा के लिए लगाई गई लिफ्ट लंबे समय से खराब पड़ी है,जो गंभीर चिंता का विषय बन गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार,यह लिफ्ट मरम्मत के बाद महज दो-चार दिन चलती है और फिर बंद हो जाती है,जिससे मरीजों,बुजुर्गों और कर्मचारियों को चार मंजिला भवन में आने-जाने के लिए सीढ़ियों का सहारा लेना पड़ रहा है। रखरखाव और मरम्मत के नाम पर अब तक लाखों रुपये खर्च किए जा चुके हैं,फिर भी कोई स्थायी समाधान नहीं निकला है। बार-बार तकनीकी खराबी आने से मेंटेनेंस व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं और कुछ लोगों द्वारा इसमें कमीशनखोरी के आरोप भी लगाए जा रहे हैं।जनता और मरीजों ने मांग की है कि प्रशासन इस मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाए, मरम्मत पर खर्च हुए बजट का हिसाब दे और मरीजों की सुविधा के लिए इस समस्या का जल्द से जल्द स्थायी समाधान सुनिश्चित करे।

मानव सेवा के लिए प्रत्येक रविवार निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

सतना। श्री राम होम्योपैथी एंड रिसर्च सेंटर के डायरेक्टर डॉक्टर ऋतुराज दहयात के द्वारा प्रत्येक रविवार को सतना शहर के नई बस्ती क्षेत्र के जेल रोड स्थित सावित्री शिक्षा सदन विद्यालय में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है। डॉक्टर दहायत ने एक अनौपचारिक चर्चा में बताया कि वह एक चिकित्सक हैं और चिकित्सा का पेसा सेवा करने का है। जो आर्थिक स्थिति से संपन्न है उनसे दवा का पैसा अवश्य लिया जाता है लेकिन समाज में बहुत से ऐसे लोग भी हैं जो पैसों की कमी के कारण दवा से वंचित रह जाते हैं।

भरहुत नगर कॉलोनी में लीज निरस्त के बाद बढ़ा आक्रोश, युवा नेता शंभू चरण ने निकाला मोर्चा

सतना।

शहर की सबसे पुरानी और व्यस्त भरहुत नगर कॉलोनी में जिला प्रशासन और हाउसिंग बोर्ड की एकतरफा कार्रवाई से आक्रोश फैल गया है। एक तरफ राजेंद्र नगर में पट्टे निरस्त करने की तैयारी है,तो वहीं दूसरी तरफ भरहुत नगर में हाउसिंग बोर्ड के एक तानाशाही फरमान ने सैकड़ों परिवारों को सड़क पर ला दिया है। हाउसिंग बोर्ड इस कार्रवाई के बाद समाजसेवी और युवा नेता शंभू चरण दुबे ने मोर्चा निकला। श्री दुबे ने कहा कि हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी 45 वर्ष की हो चुकी है,नियम कहता है कि 10साल में इसे फ्री होल्ड कर दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यह प्राइवेट लैंड पर बनी कॉलोनी है, अभी तक इसका ट्रांसफर भी हाउसिंग बोर्ड में नहीं हो पाया है। शंभू चरण दुबे ने कहा महत्वपूर्ण बात यह भी है कि यह पूरी रेजिडेंशियल नहीं बल्कि मिक्स लैंड प्रॉपर्टी है। यहां पर कई स्कूलों और कॉलेज भी



संचालित हो रहे हैं। एक राजनीतिक पार्टी का दफ्तर भी है।आरोप लगाया जा रहा है कि हाउसिंग बोर्ड के कार्यपालन यंत्री ने अपने रिटायरमेंट से ठीक एक दिन पहले आनन-फानन में कई दुकानदारों की लीज निरस्त कर दी। रातों-रात दुकानें बंद होने से सैकड़ों लोग बेरोजगार हो चुके हैं,जिससे उनके सामने भयंकर रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है।व्यावसायिक प्लान न होने के कारण लोग वर्षों से मजबूरी में अपनी आजीविका चला रहे थे। अब दुकानें बंद होने से स्थानीय रहवासियों को दूध,सब्जी और किराना जैसी रोजमर्रा की चीजों के लिए भी भटकना पड़ रहा है। यहां के लोगों की मांग है कि भरहुत नगर कॉलोनी को तुरंत फ्री-होल्ड किया जाए और दुकानदारों की लीज बहाल की जाए। अब कॉलोनी के तमाम रहवासी और दुकानदार एकजुट होकर कलेक्टर से इस गंभीर मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने और सैकड़ों परिवारों को राहत देने की गुहार लगा रहे हैं।



सुरक्षा को लेकर छात्राओं का प्रदर्शन, निकाला गया पैदल मार्च

सतना।

लड़कियों की सुरक्षा और अन्य प्रमुख मांगों को लेकर छात्राओं ने सिविल लाइन चौक से धवारी चौराहे तक एक बड़ा पैदल मार्च निकाला। इस दौरान प्रदर्शन को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे और मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। छात्राओं ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आवाज उठाई और प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया।

मझगवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मनमानी: अस्पताल में दवाएं उपलब्ध होने के बावजूद लिखी जा रही बाहर की पर्चियां

सतना।

मझगवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इन दिनों गंभीर लापरवाहियों और भ्रष्टाचार के आरोपों के घेरे में है। अस्पताल पहुंचने वाले गरीब और असहाय मरीजों को सरकारी काउंटर से मुफ्त दवाइयां मिलने के बजाय बाहर के मेडिकल स्टोर से महंगी दवाएं खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि डॉक्टर कमीशन के चक्कर में जरूरतमंदों की जेब पर डाका डाल रहे हैं। अस्पताल के भीतर कई आवश्यक दवाएं उपलब्ध न होने का नाटक किया जाता है,जिससे मरीजों को भारी आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दूर-दराज के गांवों से आने वाले गरीब मरीज इलाज और दवा के चक्कर में कर्ज के दलदल में फंस रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की खामोशी से इन डॉक्टरों के हौसला बुलंद हैं। जनता ने जिला प्रशासन से तत्काल इस मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषी डॉक्टरों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।





मैहर मेला: रेलवे और जिला प्रशासन की संयुक्त बैठक यात्रियों के लिए सुरक्षा और सुविधाओं पर विशेष जोर



सतना। आगामी मैहर मेला के दौरान श्रद्धालुओं और यात्रियों को सुगम,सुरक्षित तथा बेहतरीन सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से रेलवे और जिला प्रशासन के अधिकारियों की एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मेला अवधि के दौरान भीड़ प्रबंधन,सुरक्षा और स्टेशन परिसरों में यात्री सुविधाओं के सुचारू संचालन को लेकर विस्तृत चर्चा और रूपरेखा तैयार की गई। मेले के दौरान अतिरिक्त भीड़ को संभालने के लिए होल्डिंग एरिया बनाए जाएंगे। सीएसआर के तहत विभिन्न सीमेंट कंपनियों द्वारा होल्डिंग एरिया और पर्याप्त पेयजल टैंकर उपलब्ध कराने पर सहमति बनी है।जिला प्रशासन की ओर से यात्रियों की सुविधा के लिए मोबाइल शौचालय,एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड की तैनाती का आश्वासन दिया गया है। मैहर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए शौचालय, प्रतीक्षालय, खान-पान स्टॉल,अतिरिक्त पूछताछ काउंटर और अतिरिक्त टिकट काउंटर की विशेष व्यवस्था की जाएगी।

विशेष ट्रेनें और ठहराव

श्रद्धालुओं की भारी संख्या को ध्यान में रखते हुए मेला अवधि में विशेष ट्रेनों के संचालन तथा नियमित ट्रेनों के अस्थायी ठहराव पर भी विचार-विमर्श किया गया।बैठक में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशांक गुप्ता,वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त मुनव्वर खान,एरिया मैनेजर(सतना) नरेंद्र सिंह और स्टेशन मैनेजर (मैहर) राजेश कुमार उपस्थित रहे। तहसीलदार जितेंद्र पटेल, सीएसपी महेंद्र कुमार चौहान और सीएमओ उपस्थित रहे।रेलवे और जिला प्रशासन ने आपसी समन्वय के साथ काम करते हुए मैहर आने वाले सभी श्रद्धालुओं को एक सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्रदान करने का संकल्प लिया है।

शहर में पानी की गुणवत्ता में लापरवाही पर एजेंसी का अनुबंध निरस्त

सतना। शहरवासियों को स्वच्छ और शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने में नाकाम रही मेसर्स कृष्णा कंस्ट्रक्शन कंपनी के खिलाफ नगर पालिक निगम सतना ने कड़ी कार्रवाई की है। कोलगवां थाना के सामने स्थित 18 एम एल डी और 40 एम एल डी वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट के उन्नयन,संचालन एवं संधारण का अनुबंध निरस्त कर दिया गया है। नगर निगम अब नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण पेयजल की निर्बाध आपूर्ति के लिए वैकल्पिक व्यवस्था और तकनीकी सुधार में जुट गया है।

क्या है पूरा मामला?- नगर पालिक निगम द्वारा अहमदाबाद (गुजरात) की एजेंसी मेसर्स कृष्णा कंस्ट्रक्शन कंपनी को 18 एम एल डी और 40 एम एल डी क्षमता के वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट के उन्नयन एवं संचालन-संधारण का कार्य सौंपा गया था। कंपनी ने निर्माण कार्य पूरा कर 01 अक्टूबर 2025 से प्लांट का संचालन शुरू किया था। हालांकि,संचालन की शुरुआत से ही शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आम नागरिकों और मीडिया माध्यमों द्वारा गंदे एवं बदबूदार पानी की आपूर्ति की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। कंपनी द्वारा प्लांट के संचालन के लिए पर्याप्त अनुभवी और तकनीकी रूप से सक्षम कर्मचारियों की सेवाएं नहीं ली जा रही थीं। जल शोधन के लिए आवश्यक रसायनों की निर्धारित मात्रा उपलब्ध कराने में एजेंसी लगातार विफल रही। प्लांट की मशीनरी में आए दिन तकनीकी खराबी आ रही थी,जिसकी मरम्मत में तय समय से अधिक विलंब किया जा रहा था,जिससे पूरे शहर की जलापूर्ति बाधित हो रही थी। निगम प्रशासन और अभियंताओं ने लगातार स्थल निरीक्षण कर कंपनी को सुधार के निर्देश दिए तथा पत्राचार किया। जब कोई प्रगति नहीं हुई,तो 15 सितंबर 2026 को कंपनी को अंतिम नोटिस जारी कर निर्धारित अवधि में व्यवस्थाएं सुधारने की अंतिम चेतावनी दी गई।

गांधी-शास्त्री जयंती पर मैहर में होगी भव्य क्विज प्रतियोगिता, अधिक से अधिक भागीदारी की अपील

मैहर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को मैहर में एक आकर्षक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। कांग्रेस जिला अध्यक्ष धर्मेश घई ने जिलेवासियों से इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है। धर्मेश घई ने बताया कि प्रतियोगिता का शुभारंभ सुबह 9 बजे नेहरू सेंचुरी विद्यालय से होगा,जिसके बाद सुबह 10 बजे सरना पैलेस में मुख्य प्रतियोगिता शुरू होगी और दोपहर 12 बजे पुरस्कार वितरण किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों के लिए प्रथम पुरस्कार के रूप में एलईडी टीवी, मोबाइल,साइकिल और प्रमाण-पत्र रखे गए हैं।इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं और आम नागरिकों को महात्मा गांधी के विचारों,जीवन और स्वतंत्रता आंदोलन के महत्वपूर्ण तथ्यों से अवगत कराना है, जिससे नई पीढ़ी में राष्ट्रप्रेम की भावना को बढ़ावा मिल सके।

सेवानिवृत्त सहायक यंत्री को दी गई भावभीनी विदाई, नगर पालिका में हुआ सम्मान समारोह

सतना। नगर पालिका परिषद मैहर में लंबे समय तक अपनी निष्ठा और समर्पण के साथ सेवाएं देने वाले सहायक यंत्री वंशपति पाण्डेय के सेवानिवृत्त होने पर नगर पालिका सभागार में एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस विदाई समारोह में मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी,नगर पालिका अध्यक्षा गीता संतोष सोनी,सांसद प्रतिनिधि संतोष सोनी और मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रिंस अग्रवाल सहित कई अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने वंशपति पाण्डेय को शाल भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान वक्ताओं ने नगर के विकास में उनके दीर्घकालीन योगदान और उत्कृष्ट सेवाओं को याद किया।सहकर्मियों और जनप्रतिनिधियों ने उनके सेवाकाल की सराहना करते हुए उन्हें जीवन के नए अध्याय के लिए शुभकामनाएं दीं।समारोह का माहौल उस समय भावुक हो गया जब सभी ने उनके स्वस्थ, सुखमय और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

लापरवाही पर 'जियो मिलर' कंपनी का अनुबंध समाप्त, ब्लैकलिस्ट करने की शिफारिश

सतना। अमृत परियोजना के पेयजल घटक के तहत शहर में पाइपलाइन विस्तार और उच्चस्तरीय टंकियों के निर्माण में गंभीर लापरवाही बरतने वाली निर्माण एजेंसी मेसर्स जियो मिलर एंड कंपनी प्रा.लि. पर नगर निगम सतना ने बड़ा शिकंजा कसा है। तय समयसीमा के डेढ़ साल बाद भी कार्य पूरा न होने और तमाम अनियमितताओं को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम ने इस फर्म का अनुबंध तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया है। इसके साथ ही,फर्म को ब्लैकलिस्ट (काली सूची) करने का प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है।

30 करोड़ रुपये की थी परियोजना,डेढ़ साल से चल रहा था विलंब

अमृत परियोजना के अंतर्गत शहर के शेष क्षेत्रों में पाइपलाइन विस्तार और विभिन्न हिस्सों में 4 उच्चस्तरीय टंकियों के निर्माण का यह ठेका लगभग 30 करोड़ रुपये की लागत से जियो मिलर कंपनी को दिया गया था। कार्य की मूल पूर्णता तिथि 21 दिसंबर 2023 निर्धारित थी,जिसे बढ़ाकर 31 मार्च 2024 किया गया था। बावजूद इसके,निर्धारित समय-सीमा समाप्त होने के 18 महीने बीत जाने के बाद भी कार्य अधूरा पड़ा हुआ है।

प्रमुख अनियमितताएं और लापरवाही

उच्चस्तरीय टंकियों और जीएलएसआर डब्लूटीपी का निर्माण कार्य अब तक अधूरा है। कई क्षेत्रों में पाइप लाइन बिछाने के बाद सड़कों की मरम्मत (रेस्टोरेशन) नहीं कराई गई,जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पाइपलाइनों की टेस्टिंग नहीं की गई और आपूर्ति किए गए मोटर पंपों को स्थापित कर चालू नहीं किया गया। नगर निगम द्वारा 25 सितंबर 2025 को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाने के बावजूद फर्म ने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अनुविभाग रघुराजनगर (नगरीय), जिला- सतना (म. प्र.)

क्रमांक/2041/अनु.अधि./रघु./प्रवाचक-प्रथम/2026
सतना दिनांक: 01.10.2026

एतद द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि आवेदक आयुक्त महोदय नगर पालिक निगम सतना द्वारा मौजा सतना तहसील रघुराजनगर की आराजी क्रमांक 336 रकबा 0.9750 हे. शापिंग काम्पलेक्स एण्ड पार्किंग मिक्स यूज हेतु भूमि आवंटित किये जाने के संबंध में आवेदन प्राप्त हुआ है।

म.प्र. नजूल निवर्तन निर्देश 2020 की कंडिका 142 के अनुसरण में यह उद्घोषणा जारी की जाती है कि उपरोक्त आवंटन के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था का कोई दावा आपत्ति अथवा सुझाव हो तो वह दिनांक 15.10.2026 तक अनुविभागीय अधिकारी रघुराजनगर जिला सतना के न्यायालय के कक्ष क्रमांक जी -04 कलेक्ट्रेट कार्यालय सतना में उपस्थित होकर अपना दावा आपत्ति अथवा सुझाव प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात प्रस्तुत दावे आपत्तियाँ अथवा सुझाव स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 01.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी की जाती है।

अनुविभागीय अधिकारी
रघुराजनगर (नगरीय)
जिला सतना म.प्र.

खबर संक्षेप

भागवत कथा में आज राजा परीक्षित के जन्म का प्रसंग, भक्तिभाव में डूबा सब जेल पवई परिसर



पवई। सब जेल पवई में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के तृतीय दिवस कथा व्यास डॉ. रजनीश शास्त्री जी ने राजा परीक्षित के जन्म का भावपूर्ण प्रसंग सुनाया। कथा के दौरान बंदी एवं जेल स्टाफ श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ कथा श्रवण करते रहे। कथा व्यास ने राजा परीक्षित के जन्म प्रसंग के माध्यम से ईश्वर की कृपा, धर्म, आस्था और सद्कर्म का महत्व बताया। प्रसंग ने उपस्थित श्रोताओं को भावविभोर करते हुए आत्मचिंतन और सकारात्मक जीवन की प्रेरणा दी।जेलर अभिमन्यु पाण्डेय के मार्गदर्शन में आयोजित कथा का उद्देश्य बंदियों को आध्यात्मिक एवं नैतिक मूल्यों से जोड़ना तथा उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन की भावना को प्रोत्साहित करना है। कथा के दौरान पूरे परिसर में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिकता का वातावरण बना रहा।

गांव की बेटी और पवई के छात्र ने मिलकर जिले में मारी बाजी



पवई। गांव की बेटी और पवई के छात्र ने अपनी प्रतिभा के दम पर जिले में पवई विकासखंड का नाम रोशन किया है। मोगली उत्सव प्रतियोगिता परीक्षा के जिला स्तरीय आयोजन में कनिष्ठ वर्ग में शासकीय माध्यमिक शाला हड़ा की छात्रा कुमारी मोहिनी यादव और संदीपनी स्कूल पवई के छात्र अनिकेत पटेल की टीम ने जिले में प्रथम स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि के साथ दोनों विद्यार्थियों का चयन अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और ज्ञान का बेहतर प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में मिली इस सफलता के बाद दोनों विद्यार्थियों के साथ उनके विद्यालय के शिक्षकों और परिजनों में भी खुशी का माहौल है। अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में दोनों विद्यार्थी जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

कमिश्नर ने की सिंचाई परियोजनाओं के तहत पुनर्वास व राशि वितरण कार्यों की समीक्षा

जनप्रतिनिधियों के माध्यम से कराएं स्वीकृति पत्रों का वितरण बुनियादी सुविधाओं व विकास कार्यों के संबंध में भी दिए निर्देश

पन्ना। संभागायुक्त दिलीप कुमार ने गुरूवार को पन्ना प्रवास के दौरान कलेक्टर कार्यालय के सभागार में केन बेतवा लिंक परियोजना सहित रूंझ एवं मझगांय मध्यम सिंचाई परियोजना अंतर्गत संचालित मुआवजा राशि वितरण एवं पुनर्वास व विस्थापन कार्यों के प्रगति की समीक्षा की। इस मौके पर राजस्व एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को आगामी एक सप्ताह में मुआवजा एवं अतिरिक्त मुआवजा राशि के प्रकरण तैयार कर जनप्रतिनिधियों के माध्यम से वितरण कराने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस महानिरीक्षक सागर जोन इरशाद वली, उप पुलिस महानिरीक्षक छतरपुर रेंज विजय कुमार खत्री, कलेक्टर ऊषा परमार, पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू, जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी एवं अपर कलेक्टर मधुवंतराव धुर्वे भी उपस्थित रहे। कमिश्नर श्री कुमार ने समीक्षा बैठक में सिंचाई परियोजनाओं से विस्थापित ग्राम के परिवारों को नवीन बसाहट स्थल पर सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संयुक्त दल द्वारा समयबद्ध रूप से आवश्यक सर्वे कार्य पूर्ण कर एवं वांछित दस्तावेज प्राप्त कर संबंधितों को निरंतर निर्धारित मुआवजा राशि का वितरण सुनिश्चित किया जाए। प्रभावित परिवारों के अलग-अलग अथवा सामूहिक रूप से सेटलमेंट की स्थिति में भी नवीन स्थल पर बिजली, पेयजल एवं सड़क सहित अन्य विकास कार्यों के लिए



नियमित रूप से वांछित कार्रवाई पूर्ण की जाए। उपस्थित अधिकारियों से अब तक क्रियान्वित विभिन्न कार्यों की जानकारी लेकर निर्धारित कट ऑफ तिथि अनुसार पात्र व्यक्तियों को पैकेज राशि का वितरण कराने के लिए कहा। साथ ही भ्रमण के दौरान आपत्ति व आवेदन प्राप्त कर निराकरण के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि आवश्यकता मुताबिक विद्यालय की दाखिला पंजी अनुसार पात्रता का परीक्षण करें। यह प्रयास किया जाए कि किसी भी स्थिति में प्रभावित परिवारों को अनावश्यक रूप से भटकना न पड़े, बल्कि सचिव, रोजगार सहायक एवं पटवारी स्वयं ग्रामीणजनों से संपर्क कर दस्तावेजों का परीक्षण कर लें। केन बेतवा लिंक परियोजना के तहत आगामी 5 अक्टूबर से क्रमशः तारा, अहिरगुआं, पटी बजरिया, झरकुआं, उड़ला एवं रामपुर आदि ग्रामों में शिविर लगाने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास



विभाग सहित आरईएस, पीएचई, आदिम जाति, पशुपालन, विद्युत, महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम निर्धारित तिथि पर इन ग्रामों में पुहंचे। संबंधित विभाग के जिलाधिकारियों को भी ग्राम भ्रमण के लिए निर्देशित कर प्रत्येक परिवार के लिए रोजगार प्रकरण तैयार करने तथा मूलभूत सुविधाओं के विकास कार्यों के लिए निर्देशित किया गया। विभाग स्तर पर आवश्यक कार्यवाही पश्चात बैंक द्वारा भी इन ग्रामों में शिविर लगाया जाएगा। कमिश्नर ने संबंधित ग्राम में ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से महिलाओं के स्वसहायता समूह गठन के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि राशि वितरण के दौरान पात्र व अपात्र सूची का ग्रामीणों के समक्ष वाचन करवाया जाए। नियत स्थान पर सूची चस्पा करने के साथ ही शेष हितग्राहियों से वांछित दस्तावेज प्राप्त करने की कार्यवाही भी की जाए।

बड़े बुजुर्गों का सम्मान यही है भारत की पहचान : ब्रह्माकुमारी



पन्ना। अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध जन दिवस पर ब्रह्माकुमारी विद्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर सभी बुजुर्गों का सम्मान के साथ हुआ बहन जी ने सभी का स्वागत करते हुए सभी के स्वस्थ रहने की शुभकामना देते हुए कहा बुजुर्ग हम सबके लिए परिवार के लिए समाज के लिए धरोहर हैं उनकी संभाल एवं सम्मान करना हम सब का नैतिक कर्तव्य है आज की सबसे बड़ी क्षति यह है कि बच्चे अपने दादा, दादी और नाना,नानी से अलग होते जा रहे हैं यह दूरी केवल बुजुर्गों के लिए ही नहीं बल्कि बच्चों के लिए भी हानिकारक सिद्ध हो रही है, जहां बुजुर्गों को अकेलापन और उपेक्षा का सामना करना पड़ता है वही बच्चों को अनुभव ,परंपरा और नैतिक मूल्यों से वंचित रहना पड़ता है वैज्ञानिक अध्ययनों से भी स्पष्ट हुआ है कि जिन बच्चों का जुड़ाव अपने दादा-दादी या नाना, नानी से होता है उनकी भावनात्मक विकास और सामाजिक विकास अधिक होता है माता-पिता की भूमिका यहां अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है वह यदि अपने बच्चों को और बुजुर्गों के बीच संवाद और आत्मीयता का सेतु बने तो न केवल परिवार का वातावरण सुखद होगा बल्कि बच्चों में भी आदर ,करुणा और संवेदनशीलता के संस्कार स्वाभाविक रूप से आएंगे। रामेश्वर प्रसाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने कहा अपने परिवार में हमारी माता बहने जो हैं अपने बच्चों को अगर धर्म की शिक्षा देना शुरू करें और उसकी 5 वर्ष की उम्र तक धर्म से जोड़े धर्म के प्रति उसके मन में रुचि उत्पन्न करें और हमारे वृद्ध जनों की सेवा जो मात-पिता देते थे उनके लिए हमें अपने परिवार में बच्चों को प्रेरित करना चाहिए पहले बच्चे को धर्म की शिक्षा मिले फिर अर्थ की शिक्षा माताएं बहनों को बच्चों में संस्कार डालना चाहिए कार्यक्रम में श्री बुद्ध सिंह गायत्री परिवार ,कैलाश सोनी इंद्रमणि पांडे, हेतराम मिश्रा, प्रभापटेरिया, सीताराम दुबे श्रीनिवास शर्मा, रामचरण भाई विमल माता एवं अन्य वरिष्ठ जन उपस्थित रहे।

जेके सीमेंट की प्रेरणादायक पहल, स्वास्थ्य, पशुधन और स्वच्छता अभियान संपन्न

अमानगंज। मध्य प्रदेश कृ सामाजिक सरोकार और जनहित के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को निभाते हुए, जेके सीमेंट द्वारा क्षेत्र में मानव स्वास्थ्य, पशु चिकित्सा और स्वच्छता को लेकर एक बेहद सराहनीय, ऊर्जावान और सकारात्मक अभियान चलाया गया है। इस शानदार पहल ने स्थानीय ग्रामीणों और आम जनता के बीच भारी उत्साह और खुशी की लहर दौड़ा दी है।





कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण एवं उपलब्धियाँ-

टीबी रोगियों के लिए पोषण किट वितरण (पवई सरकारी अस्पताल) पवई के सरकारी अस्पताल केंद्र में 100 टीबी (ज्नइमतबनसवेपे) किट्स का वितरण किया गया। इस मानवीय पहल का मुख्य उद्देश्य रोगियों को बेहतर पोषण और सामग्री उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें इस गंभीर बीमारी से लड़ने और जल्द स्वस्थ होने में पूरा संबल मिल सके। स्थानीय लोगों ने कंपनी के इस संवेदनशील कदम की खुले दिल से प्रशंसा की है।

भव्य पशु स्वास्थ्य शिविर (कोनी)- कोनी गांव में पशुधन की बेहतरीन देखभाल और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए एक विशाल पशु स्वास्थ्य शिविर (।दपउंस भ्मंसजी ब्ंउच) का आयोजन किया गया। इस शिविर में 113 पशुओं में किलनी नाशक एवं कृमिनाशक दवा का वितरण 25 बाँझ पशुओं का इलाज साथ ही साथ 46 नवजात बछड़ों को कृमिनाशक दवा पिलायी गई । साथ ही साथ कुछ पशुओं का प्राथमिक उपचार भी किया गया स्थानीय किसानों को 40 किलो मिनरल मिक्सचर का वितरण किया गया। पशुपालन से जुड़े ग्रामीण परिवारों के लिए यह शिविर किसी वरदान से कम साबित नहीं हुआ है।

ऊर्जावान स्वच्छता पखवाड़ा और जन-जागरूकता -

समाज में साफ-सफाई और स्वस्थ वातावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए स्वच्छता पखवाड़ा के तहत विशेष अभियान चलाया गया। इसके अंतर्गत लोगों को स्वच्छता के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया और कई प्रमुख जगहों पर श्रमदान कर साफ-सफाई करवाई गई। इस अभियान ने समाज में एक बेहद सकारात्मक संदेश दिया है। ष्जेके सीमेंट केवल उद्योग तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग के कल्याण, स्वस्थ और सशक्त परिवेश के निर्माण के लिए पूरी तरह समर्पित है। ऐसे कार्यक्रम समाज में एक नई उम्मीद और विकास की एक नई मिसाल पेश करते हैं। यह शानदार अभियान इस बात का प्रतीक है कि जब सच्ची नीयत और ऊर्जा के साथ सामाजिक जिम्मेदारी निभाई जाती है, तो एक बेहतरीन, स्वस्थ और समृद्ध समाज का निर्माण होता है। जेके सीमेंट की इस सकारात्मक पहल की हर तरफ चर्चा है और स्थानीय जनता इससे बेहद प्रभावित है।

पीडब्ल्यूडी विभाग की लापरवाही भुगत रही नगर की जनता, थाना अमानगंज से गुनौर रोड धूल के गुबार में तब्दील





बड़े-बड़े गड्ढों से आवागमन मुश्किल, व्यापारी, राहगीर और अस्पताल पहुंचने वाले मरीज परेशान

अमानगंज। पन्ना जिले के प्रमुख व्यापारिक केंद्र अमानगंज में थाना अमानगंज से गुनौर मार्ग की बदहाल स्थिति अब लोगों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हैं और वाहनों के गुजरने पर धूल के गुबार उड़ते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की बदहाली और धूल की समस्या के बीच पीडब्ल्यूडी विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों, ग्रामीणों और स्थानीय व्यापारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। व्यापारियों के मुताबिक सड़क से उड़ने वाली धूल दुकानों के अंदर तक पहुंचती है और सुबह दुकान खोलने पर धूल की परत जमी मिलती है। सड़क के समीप स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भी धूल की समस्या से प्रभावित है। मरीजों और उनके परिजनों को आवागमन के दौरान परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से सड़क की मरम्मत अथवा निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराने की मांग की है।

इनका कहना है -

डॉ. रविकांत पांडे ने बताया कि अस्पताल के सामने उनका होम्योपैथिक क्लीनिक है। सड़क से उड़ने वाली धूल के कारण यहां काम करना मुश्किल हो रहा है। सड़क खराब होने से वायु प्रदूषण काफी बढ़ गया है, जिससे सांस लेने में परेशानी होती है। क्लीनिक आने वाले मरीजों को भी असुविधा का सामना करना पड़ता है।

सड़क के मुहाने पर मौत का खंभा! शिकायतों के बावजूद नहीं हटे 33 केवी पोल

गुन्नौर। अंधेर नगरी चौपट राजा, टके सेर भाजी टके सेर खाजा! यह कहावत इस समय पन्ना जिले की गुन्नौर तहसील के अंतर्गत आने वाले एनएच 943 (नागौद-पवई मार्ग) पर पूरी तरह चरितार्थ हो रही है। इस व्यस्त राष्ट्रीय राजमार्ग पर साहिलवारा गांव के पास से महेबा तक विद्युत विभाग की एक ऐसी आत्मघाती लापरवाही सामने आई है, जो कभी भी बड़ी जनहानि का कारण बन सकती है। तकनीकी नियमों को पूरी तरह ताक पर रखकर विभाग के इंजीनियरों ने 33 केवी (झट) की हाई-टेंशन लाइन के पोल सड़क के निर्माण दायरे (राइट ऑफ वे) के भीतर ही गाड़ दिए हैं। बिना रिफ्लेक्टर और बिना किसी चेतावनी बोर्ड के सड़क के मुहाने पर खड़े ये भारी-भरकम खंभे हर पल वाहन चालकों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं।



सब धान बाइस पसेरी शिकायतें बेअसर, मौखिक जवाब में झाड़ा पल्ला

सड़क सीमा के भीतर खड़े इन जानलेवा पोलों को लेकर स्थानीय व्यक्तियों और राहगीरों द्वारा कई बार विद्युत विभाग के आला अधिकारियों से व्यक्तिगत बात की गई और लिखित शिकायत भी सौंपी गईं। लेकिन अफ़सरशाही का रवैया ष्जस दूल्हा तस बनी बरातष (जैसा ढीला विभाग, वैसा काम) वाला बना हुआ है। मामले की गंभीरता को लेकर जब विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता (म) अशोक निकोसे से फोन पर संपर्क किया गया, तो उन्होंने मौखिक रूप से ष्अन्यत्र जगह न होनेष का तर्क देकर अपना पल्ला झाड़ लिया। अधिकारी के इस गैर-जिम्मेदाराना जवाब के बाद क्षेत्र की जनता में यह अंदेशा और गहरा गया है कि इस लापरवाही के पीछे कोई बड़ी प्रशासनिक मिलीभगत और सांठ-गांठ चल रही है, जिसके कारण तकनीकी रूप से गलत होने के बावजूद लाइन को वहां से शिफ्ट नहीं किया जा रहा है।

रात के अंधेरे में श्कालश बने खंभे, क्या किसी की मौत का इंतज़ार?

दिन के उजाले में तो स्थानीय लोग इन खंभों से बचकर निकल जाते हैं, लेकिन रात के घने अंधेरे और कोहरे के दौरान ये पोल साक्षात काल साबित हो रहे हैं। साहिलवारा गांव के ग्रामीणों का साफ़ कहना है कि विद्युत विभाग ष्अब पछताए होत क्या, जब चिड़िया चुग गई खेतष की नीति पर काम कर रहा है। ऐसा लगता है कि विभाग को किसी बेकसूर की जान जाने का इंतज़ार है, ताकि उसके बाद कागजी खानापूर्ति शुरू की जा सके। यदि समय रहते इन 33 झट के पोलों को सड़क के दायरे से हटाकर सुरक्षित दूरी पर विस्थापित नहीं किया गया, तो भविष्य में होने वाले किसी भी जानलेवा हादसे की पूरी जवाबदेही विद्युत वितरण कंपनी और उसके लापरवाह आला अधिकारियों की होगी।

रजिस्टर में 72 बच्चे, आंगनवाड़ी में 12 भी नहीं: पोषण आहार की व्यवस्था पर उठे सवाल

पन्ना। अजयगढ़ की वार्ड क्रमांक 03 की आंगनवाड़ी में पोषण आहार को लेकर स्कूल ड्रेस की बच्चियां साफ नजर आ रही थीं जो उपस्थिति बयां की जा रही थी 12 भी नहीं थी आंगनवाड़ी के बच्चों की। हर माह 15-16 बच्चे आते है आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने स्वयं बताया। पर पूरे बच्चों की उपस्थिति देना पड़ती है आखिर क्यों?

पन्ना। आखिरकार जिले के महिला बाल विकास विभाग के द्वारा कब सच्चाई को लेकर जानने की कोषिष करेगें ताकि महिला बाल विकास विभाग की आंगनवाड़ियां रजिस्ट्रों में दर्ज बच्चों के भरोसे कागजी आंकड़े में चल रही है। आखिरकार उपस्थिति भी बाखूबी दर्ज बच्चो के मापदण्ड से भेजी जाती है। क्योंकि बच्चों की उपस्थिति के अनुसार पोषण आहार को व्यय बताया जा सके।



साथ ही आंगनवाड़ियों में पहुंचने वाला भोजन भी उपस्थिति के अनुसार ही तय होता है। जब विगत दिवस अजयगढ़ नगर की वार्ड क्रमांक 03 की आंगनवाड़ी का निरीक्षण वास्तविकता में तो 72 बच्चे जहां दर्ज थे वहां 12 बच्चों की उपस्थिति को लेकर जरूरत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बयां कर रही थी। पर वास्तविकता में 12 बच्चे भी उपस्थित नहीं थे। 02-03 बच्चियां स्कूल ड्रेस में साफ नजर आ रही थी। जो स्कूल से बुलाकर जैसे बैठा लिया गया था। इस तरह से यहां आंगनवाड़ियों के हालात को लेकर यह उदाहरण अपने आप में विभाग के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। निष्चितौर पर आंगनवाड़ियों में दर्ज बच्चे क्या प्रतिदिन आंगनवाडी में उपस्थित होते है इसकी मॉनीटरिग को लेकर क्या सुपर वाईजर कभी वास्तविकता को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों तक जानकारी देती है। जो अपने आप में सवाल है। वहीं जिस तरह से वार्ड क्रमांक -03 की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने बेबाकी से वास्तविकता बयां की है दर्ज बच्चों की उपस्थिति पूरी देना होता है क्योंकि अब नौकरी तो करना ही है। पर दर्ज बच्चों में प्रतिमाह प्रतिदिन औसतन 15-16 बच्चे ही आंगनवाड़ी में आते है यह सच्चाई है विभाग के लिए आयना दिखा रही है। यह अजयगढ़ की दास्ता नहीं है बल्कि समूचे जिले में यह एक सच्चाई का आयना माना जा रहा है। पन्ना जिला मुख्यालय में भी संचालित आंगनवाड़ियों के हालात कुछ इसी तरह चर्चा में सुमार रहते है। देखना यह है कि विभाग वास्तविकता को लेकर कब जागेगा।

खबर संक्षेप

सेवा संकल्प अभियान के तहत वार्ड 16 के आंगनवाड़ी में आंगन मिलन कार्यक्रम आयोजित, लगी पोषण प्रदर्शनी



छतरपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 16 स्थित आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 29 में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय पार्षद गीता दिनेश तिवारी तथा भाजपा नेता विनय पटेरिया विशेष रूप से उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान बच्चों और महिलाओं को कुपोषण से बचाने के उद्देश्य से पोषण प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें कम लागत वाले पौष्टिक खाद्य पदार्थों और उनके स्वास्थ्य लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान पर्यवेक्षक शशि गर्ग ने सेवा संकल्प अभियान एवं महिला व बाल विकास विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी उपस्थित नागरिकों और महिलाओं को दी। इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं तथा वार्ड के गणमान्य नागरिक और महिलाएं बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में समाजसेवी दिनेश तिवारी ने सभी अतिथियों और उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने निर्वाना फाउंडेशन ने किया कार्यक्रम



छतरपुर। शासकीय आदर्श माध्यमिक विद्यालय छतरपुर में निर्वाना फाउंडेशन द्वारा समावेशी शिक्षा को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराना और सभी बच्चों के लिए समान एवं बेहतर शैक्षणिक अवसर सुनिश्चित करना रहा।कार्यक्रम के दौरान निर्वाना फाउंडेशन की ओर से विद्यालय के बच्चों को स्कूल बैग एवं विभिन्न शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। संस्था के संजय सिंह ने विद्यालय के विद्यार्थियों को विशेष शिक्षा के क्षेत्र में आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने की बात कही। संस्था के इस प्रयास से विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए जरूरी सामग्री उपलब्ध होने के साथ ही शिक्षा के प्रति उनका उत्साह बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। निर्वाना फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने कहा कि समावेशी शिक्षा के माध्यम से प्रत्येक बच्चे को उसकी आवश्यकता और क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए। इस दिशा में संस्था द्वारा विद्यालय के बच्चों को निरंतर सहयोग प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा।

डेढ़ साल के मासूम को स्कूल वैन ने कुचला, छतरपुर में दर्दनाक हादसा



छतरपुर। जिले के शाहगढ़ थाना क्षेत्र में जटाशंकर धाम के पास एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ है। सड़क किनारे रहने वाले ठाकुर परिवार का डेढ़ साल का छोटा सा बच्चा ओमराजा, पिता मुन्ना राजा, अचानक सड़क पर आ गया। तभी तेज रफ्तार स्कूल वैन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। वैन की चपेट में आने से बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने तुरंत उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल पहुँचाया। डॉक्टरों ने जाँच के बाद बच्चे को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में बच्चे का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। यह हादसा एक बार फिर सड़क सुरक्षा और छोटी उम्र के बच्चों की निगरानी की याद दिलाता है। परिवार इस गम में पूरी तरह टूट चुका है।

21 वर्षों से कायम परंपरा: नौगांव में वृद्ध माता-पिता का किया सम्मान, लिया आशीर्वाद

नौगांव। नगर पालिका परिषद की ओर से अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ जन दिवस पर गुरुवार शाम नगर पालिका परिसर में वृद्ध माता-पिता के सम्मान का कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर पालिका की यह पहल लगातार 21 वर्षों से जारी है। कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठजनों को टिफिन और चार लड्डू सम्मान स्वरूप भेंट किए गए। अतिथियों और जनप्रतिनिधियों ने वृद्ध माता-पिता की सामूहिक आरती कर उनका आशीर्वाद लिया। सम्मान पाकर कई वरिष्ठजनों के चेहरे खुशी से खिल उठे, वहीं कुछ भावुक भी हो गए।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक कामाख्या प्रताप सिंह रहे, जबकि अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष अनूप तिवारी ने की। कार्यक्रम में विधायक सहित जनप्रतिनिधियों, नगर पालिका के अधिकारियों-कर्मचारियों और गणमान्य नागरिकों ने वरिष्ठजनों का सम्मान किया। नगर पालिका अध्यक्ष ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बुजुर्गों के अनुभव और आशीर्वाद को समाज की अमूल्य धरोहर बताया।विधायक कामाख्या प्रताप सिंह ने कहा कि वरिष्ठजनों का सम्मान केवल एक दिन तक



सीमित नहीं होना चाहिए। हमें अपने माता-पिता और बुजुर्गों का हमेशा सम्मान करना चाहिए। उनका आशीर्वाद जीवन में अनमोल होता है और जितना मिले, उतना ही कम है। नगर पालिका के अनुसार शासन के निर्देश पर वर्ष 2006 में वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान का कार्यक्रम शुरू किया गया था। इसके बाद नगर पालिका द्वारा प्रतिवर्ष वृहद स्तर पर यह आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष भी शहर के बड़ी संख्या में वृद्ध माता-पिता कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में आर्केस्ट्रा टीम ने भक्ति, देशभक्ति और पुराने लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुतियां दीं। गीत-संगीत के बीच वरिष्ठजनों ने कार्यक्रम का आनंद लिया। इसके बाद अतिथियों और गणमान्य नागरिकों ने वृद्ध माता-पिता की सामूहिक आरती कर उनका सम्मान किया और आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में उपयंत्री धर्मेंद्र चौबे, श्याम सुंदर अरजरिया, यूसुफ राइन, भारती साहू, अमित तिवारी, आशा साहू, अरविंद यादव सहित पार्षद और अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छ भारत अभियान के तहत वरिष्ठजनों के साथ अधिकारी, कर्मचारी और मौजूद नागरिकों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। सभी ने शहर को स्वच्छ रखने, गंदगी नहीं करने और दूसरों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर 'मेरा युवा भारत केंद्र' ने लवकुशनगर के वृद्धाश्रम में मनाया सेवा दिवस, बुजुर्गों का लिया आशीर्वाद



लवकुशनगर। मेरा युवा भारत केंद्र छतरपुर (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार) के तत्वाधान में और केंद्र के दिशा-निर्देशानुसार आज लवकुशनगर स्थित वृद्धाश्रम में अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष सेवा और सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज के वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान व्यक्त करना और युवाओं को सेवा भावना से जोड़ना था। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों और युवाओं ने वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों से आत्मीय बातचीत की। उन्होंने वृद्धजनों के कुशलक्षेम और उनके स्वास्थ्य के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। इसके साथ ही, बुजुर्गों को ढलती उम्र में स्वस्थ रहने और अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। युवाओं ने उन्हें स्वच्छता से जुड़े जरूरी टिप्स भी उपलब्ध करवाए।

स्पहार कराकर लिया आशीर्वाद

संवाद और जागरूकता सत्र के बाद, संस्था की ओर से सभी वृद्धजनों को आदरपूर्वक स्वल्पाहार (नाश्ता) कराया गया। इस भावुक क्षण में युवाओं ने बुजुर्गों के पैर छूकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। बुजुर्गों के चेहरों पर आई मुस्कान ने कार्यक्रम की सार्थकता को साबित किया।

13 दिन से लापता भाई, रिपोर्ट के लिए भटक रही बहन ने एसपी से लगाई गुहार

छतरपुर। बमीठा थाना क्षेत्र के धार्मिक स्थल से एक बेहद संवेदनशील और गंभीर मामला सामने आया है। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर (खुर्जा) से अपने परिवार के साथ बागेश्वर धाम दर्शन करने आई प्रियंका वेदी का 28 वर्षीय भाई नीरज उर्फ पिंटू बीते 19 सितंबर से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता है। पीड़िता के अनुसार उसका भाई दिमागी रूप से अस्वस्थ है। पिछले 13 दिनों से बहन अपने भाई की तलाश में दर-दर भटक रही है, लेकिन स्थानीय बमीठा पुलिस द्वारा अब तक गुमशुदगी की प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है।

थाने के चक्कर काटने और केवल आश्वासन मिलने से परेशान होकर पीड़िता ने छतरपुर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार



लगाई है। एसपी कार्यालय में दिए आवेदन में पीड़िता ने बमीठा पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जल्द से जल्द रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने और भाई की खोजबीन शुरू कराने की मांग की है। बाहरी राज्य से होने के कारण पीड़िता को क्षेत्र की जानकारी न होने से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भाई का कोई सुराग न मिलने पर बेबस बहन ने सोशल मीडिया और आम जनता से भी मदद की गुहार लगाई है। पीड़िता ने घोषणा की है कि जो भी व्यक्ति उसके गुमशुदा भाई नीरज उर्फ पिंटू को ढूंढकर लाएगा या उसके संबंध में सही जानकारी देगा, उसे परिवार की ओर से 5,000 रुपये का नकद इनाम दिया जाएगा। फिलहाल एसपी कार्यालय से उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है।

स्कूली बच्चों को साइबर अपराध और यातायात नियमों का पाठ, थाना प्रभारी ने किया जागरूक

लवकुशनगर। गौरिहार विकास खंड अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल गोयरा में पुलिस की एक विशेष पहल के तहत जनसंवाद एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गोयरा थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने स्कूली छात्र-छात्राओं के बीच पहुँचकर उन्हें सुरक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूक किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों को वर्तमान समय में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों और सड़क सुरक्षा से जुड़े यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी।

थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने छात्रों को सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने की सलाह दी, हेलमेट और सीट बेल्ट अनिवार्य - दोपहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट का उपयोग करें और चार पहिया वाहन में सफर करते समय हमेशा सीट बेल्ट लगाएं। ड्रिंक एंड ड्राइव पर रोक - उन्होंने बच्चों को जागरूक किया कि वे अपने परिजनों और आसपास के लोगों को भी जागरूक करें कि कभी भी शराब पीकर वाहन न चलाएं। अल्पायु में वाहन चलाने की मनाही - स्कूल के बच्चों को स्पष्ट हिदायत दी गई कि बिना ड्राइविंग लाइसेंस के सड़कों पर वाहन न दौड़ाएं।

साइबर अपराध और डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव -

बढ़ते डिजिटल युग में बच्चे और उनके परिवार ऑनलाइन ठगी का शिकार न हों, इसके लिए डिजिटल अरेस्ट और साइबर फ्रॉड को लेकर विशेष रूप से सतर्क किया गया, डिजिटल अरेस्टिंग से न डरें - साइबर अपराधी आजकल पुलिस या सरकारी एजेंसी का डर दिखाकर लोगों को वीडियो कॉल पर बंधक बना लेते हैं। थाना प्रभारी ने साफ किया कि कानून में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है, इसलिए किसी भी अनजाने धमकी भरे कॉल से न डरें और तुरंत पुलिस को सूचना दें। ओटीपी साझा न करें - बैंक अकाउंट, आधार या किसी भी प्रकार का गुप्त ओटीपी किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करें। सोशल मीडिया पर सतर्कता - फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि पर किसी भी अनजान व्यक्ति की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार न करें, क्योंकि इससे ब्लैकमेलिंग और साइबर स्टॉकिंग का खतरा बढ़ जाता है।

45 वर्षीय युवक की संदिग्ध मौत, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

जिला अस्पताल में युवक की मौत से हड़कंप, परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप



छतरपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के टोरिया मोहल्ला निवासी 45 वर्षीय युवक की जिला अस्पताल में मौत के बाद परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

मृतक की पहचान पटोले वाल्मीकि पिता सुखवासी वाल्मीकि, उम्र 45 वर्ष, निवासी टोरिया मोहल्ला के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, बुधवार रात करीब 10 बजे लालाराम ने फोन कर मृतक के भाई प्रदीप वाल्मीकि को उसके भाई की मौत की सूचना दी और जिला अस्पताल पहुंचने के लिए कहा। सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे, जहां युवक मृत अवस्था में मिला।

परिजनों ने बताया कि मृतक उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के उमरी क्षेत्र में मजदूरी करता था और रिश्तेदारी में छतरपुर आया हुआ था। परिजनों का आरोप है कि लालाराम, रवि वाल्मीकि और चंदा वाल्मीकि सहित अन्य लोगों द्वारा उसके साथ मारपीट कर जान से मारने की आशंका है। हालांकि, लगाए गए आरोपों की अभी पुलिस जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। दोषी पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होगी।

मेला जलविहार में राई की जुगलबंदी पर देर रात तक झूमे दर्शक



छतरपुर। श्रावण द्वादशी मां अन्नपूर्णा मेला जलविहार की आठवीं शाम बुंदेली राई के नाम रही। कृष्ण कुमार रंगीला एंड पार्टी की प्रस्तुतियों ने मेला प्रांगण में लोक संस्कृति का रंग बिखेर दिया। दो प्रमुख नृत्यांगनाओं के बीच राई नृत्य की जुगलबंदी कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही, जिस पर दर्शकों ने जमकर तालियां बजाईं। कलाकारों ने ढोलक और नगाड़ों की थाप पर बुंदेली गीतों और लोकनृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। राई नृत्य की जुगलबंदी के साथ नृत्यांगनाओं के आकर्षक नृत्य ने दर्शकों को देर रात तक बांधे रखा। प्रस्तुतियों के माध्यम से बुंदेलखंड की समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराओं की झलक देखने को मिली।

कार्यक्रम की शुरुआत से पहले रोज की तरह मां अन्नपूर्णा की महाआरती की गई। इसमें मुख्य यजमान के रूप में भाजपा नेता नीरज भार्गव, व्यवसायी अमित बरसैंया, संतोष रेजा और प्रसिद्ध गायक कलाकार खनिज देव सिंह चौहान मौजूद रहे। महाआरती के बाद मंच पर पहुंचे कलाकारों का मेला समिति की परामर्श समिति के वरिष्ठ सदस्य जयकृष्ण चौबे ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। इसके बाद कलाकारों की प्रस्तुतियों का सिलसिला शुरू हुआ, जो देर रात तक चलता रहा।कृष्ण कुमार रंगीला की प्रस्तुतियों का आनंद लेने के लिए नगर सहित ग्रामीण अंचलों से बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे। देर रात तक मेला प्रांगण दर्शकों से भरा रहा और लोगों ने बुंदेली राई तथा लोकनृत्य का आनंद लिया। आज मेला जलविहार के रंगमंच पर रंजीत राय इलाहाबाद और नीलम विश्वकर्मा छतरपुर के बीच कीर्तन का जवाबी मुकाबला होगा।

छतरपुर बिजली विभाग में कथित अनियमितताओं को लेकर शिकायत, ठेकेदारों और कार्यपालन यंत्री पर जांच की मांग

बिना काम भुगतान, सामग्री खुर्द-बुर्द करने और आय से अधिक संपत्ति के लगाए गए आरोप



छतरपुर। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के छतरपुर वृत्त एवं डिवीजन कार्यालय में विद्युत कार्यों को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए शिकायत की गई है। शिकायतकर्ता विवेक कुमार निगम ने अधीक्षण अभियंता एवं कंपनी के सीएमडी को अलग-अलग आवेदन देकर कई विद्युत परियोजनाओं में बिना कार्य किए भुगतान किए जाने, सरकारी सामग्री के कथित रूप से खुर्द-बुर्द किए जाने तथा अधिकारियों और ठेकेदारों की भूमिका की जांच की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि संजय नगर से डुमरा तिगैला तक 33 केवी लाइन के कार्य में ठेकेदार को स्टीमेट के अनुसार सामग्री उपलब्ध कराई गई, लेकिन मौके पर पूरी सामग्री नहीं लगाई गई। शिकायतकर्ता का दावा है कि लोहे के खंभों में निर्धारित मात्रा में सीमेंट-कंक्रीट भी नहीं डाली गई, जिससे लाइन की मजबूती और सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इसी तरह 132 केवी बड़ामलहरा से भगवां तक 33 केवी जल निगम के कार्य में भी सामग्री और निर्धारित निर्माण मानकों के पालन की जांच की मांग की गई है।

तीन प्रोजेक्ट में बिना काम बिल भुगतान का आरोप -

शिकायत में प्रोजेक्ट नंबर 739704, 739701 और 739760 का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया गया है कि संबंधित कार्यों में मौके पर अपेक्षित काम नहीं हुआ, जबकि सामग्री प्राप्त करने और बिल भुगतान की प्रक्रिया पूरी कर दी गई। शिकायतकर्ता ने इन परियोजनाओं की तकनीकी जांच, मौके पर भौतिक सत्यापन और सामग्री के स्टॉक रिकॉर्ड का मिलान कराने की मांग की है।

कार्यपालन यंत्री पर भी लगाए गंभीर आरोप

दूसरी शिकायत में छतरपुर डिवीजन कार्यालय में पदस्थ कार्यपालन यंत्री अमर श्रीवास्तव के कार्यकाल से संबंधित गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ता ने विद्युत खंभों, लाइनों, उपकरणों और स्क्रैप की कथित हेराफेरी, अवैध कॉलोनियों में नियम विरुद्ध विद्युत अधोसंरचना उपलब्ध कराने तथा पद का दुरुपयोग कर अवैध धन अर्जित करने के आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है। एक अन्य शिकायत में अधिकारी की कथित आय से अधिक संपत्ति की जांच कराने की मांग की गई है। इसमें मकान, भूखंड और आभूषण सहित संपत्तियों का उल्लेख करते हुए विभागीय रिकॉर्ड में दर्ज संपत्ति विवरण से उनका मिलान कराने तथा आवश्यकता होने पर वैधानिक कार्रवाई किए जाने की मांग की गई है।

निष्पक्ष जांच और रिकॉर्ड के भौतिक सत्यापन की मांग

शिकायतकर्ता ने संबंधित सभी कार्यों के वर्क ऑर्डर, स्टीमेट, मटैरियल इश्यू रिकॉर्ड, स्टॉक रजिस्टर, एमबी, बिल, भुगतान अभिलेख और मौके पर किए गए कार्य का स्वतंत्र रूप से सत्यापन कराने की मांग की है। साथ ही आरोप सही पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारियों, कर्मचारियों और ठेकेदारों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई तथा शासकीय राशि की वसूली की मांग की गई है। उल्लेखनीय है कि छतरपुर बिजली विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर इससे पहले भी विभिन्न आरोप सामने आए हैं। हाल में सरकारी विद्युत खंभों की कथित हेराफेरी और अवैध कॉलोनियों में बिजली कनेक्शन से जुड़े आरोपों को लेकर भी रिपोर्ट प्रकाशित हुई हैं।

संभाग स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में छतरपुर का दबदबा, पुरुष और महिला दोनों वर्गों में विजेता



नौगांव। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर के अनुसार सत्र 2026-27 की संभाग स्तरीय टेबल टेनिस पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय बापू महाविद्यालय नौगांव में किया गया। प्रतियोगिता में संभाग के तीन जिलों की टीमों ने सहभागिता की। 30 सितंबर को आयोजित पुरुष वर्ग की प्रतियोगिता में पहले मुकाबले में टीकमगढ़ ने निवाड़ी को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इसके बाद फाइनल मुकाबला छतरपुर और टीकमगढ़ की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें शानदार प्रदर्शन करते हुए छतरपुर की टीम ने विजेता का खिताब अपने नाम किया। 1 अक्टूबर को महिला वर्ग की संभाग स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित हुई। फाइनल मुकाबले में छतरपुर और निवाड़ी की टीम आमने-सामने रहीं, जिसमें छतरपुर की खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए निवाड़ी को पराजित कर विजेता का खिताब हासिल किया। इस तरह पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों में छतरपुर जिला संभाग स्तर पर विजेता रहा। समापन समारोह में मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष अनूप तिवारी, विशिष्ट अतिथि विधायक प्रतिनिधि आशु प्रवीण मिश्रा तथा अध्यक्षता संस्था के प्राचार्य प्रो. पी.के. मिश्रा ने की। अतिथियों एवं महाविद्यालय के पदाधिकारियों ने विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया और अगले स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एच.सी. नायक, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. सी.पी. गुप्ता, क्रीड़ा प्रभारी डॉ. रघुनाथ पाल, आयोजन प्रभारी पीयूष केन, कैलाश कुमार रजक सहित महाविद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा। मंच संचालन भारतेंदु पटेरिया ने किया तथा आभार क्रीड़ा अधिकारी डॉ. हेमंत कुमार यादव ने व्यक्त किया। प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में रविंद्र कुमार सगर, विवेक कुमार आर्य एवं अभिषेक पटेरिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शादी के बाद बदला पता, समग्र आईडी में अटकी मातृत्व योजनाएं

दूसरे राज्यों से ब्याहकर आई गर्भवती महिलाओं का एएनसी पंजीयन प्रभावित , आईडी-केवाईसी के अभाव में जननी सुरक्षा और मातृ वंदना योजना का लाभ भी अटक रहा

रीवा।

जिले में दूसरे राज्यों से ब्याहकर आई गर्भवती महिलाओं के लिए समग्र आईडी अब मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की राह में बड़ी अड़चन बन रही है। आईडी और केवाईसी पूरी नहीं होने के कारण कई महिलाओं का प्रथम त्रैमास में अनमोल पोर्टल पर एएनसी पंजीयन नहीं हो पा रहा है। इसका सीधा असर जननी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सहित मातृ एवं शिशु कल्याण की योजनाओं के लाभ पर पड़ रहा है। सबसे ज्यादा प्रभावित स्थिति यूपी सीमा से लगे विकासखंडों में सामने आई है। त्योंथर में 292 गर्भवती महिलाओं की समग्र आईडी लंबित है। हनुमना में करीब 280 और जवा में लगभग 250 महिलाओं का पंजीयन आईडी संबंधी समस्या के कारण अटका हुआ है। जिले के अन्य



विकासखंडों में भी ऐसी महिलाएं हैं, जिनका एएनसी पंजीयन समय पर नहीं हो पा रहा है। समस्या को देखते हुए जिला पंचायत सीईओ ने जनपद पंचायत सीईओ और बीएमओ को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सभी बीएमओ अपने क्षेत्र की ऐसी गर्भवती महिलाओं की सूची संबंधित जनपद पंचायत सीईओ को उपलब्ध कराएगे। इसके बाद हर मंगलवार और शुक्रवार को ग्राम पंचायत सचिव गर्भवती महिलाओं की समग्र आईडी और केवाईसी की प्रक्रिया अनिवार्य रूप से पूरी कराएंगे। नगरीय निकायों से भी आवश्यक सहयोग लेने के निर्देश दिए गए हैं।

18,374 पंजीयन, लक्ष्य से 22 पीछे

स्वास्थ्य विभाग ने अब तक जिले में 18,374 गर्भवती महिलाओं का पंजीयन किया है, लेकिन यह निर्धारित लक्ष्य से
करीब 22 प्रतिशत कम है। कलेक्ट्रेट सभागार में हुई स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में समग्र आईडी का अभाव पंजीयन पिछड़ने के प्रमुख कारणों में सामने आया। इसके बाद कलेक्टर ने पंचायत विभाग और नगरीय निकायों के सहयोग से लंबित आईडी बनवाने के निर्देश दिए।

शादी के बाद बदलता रिकॉर्ड, बढ़ती परेशानी

दूसरे राज्य की निवासी रही महिला की रीवा में शादी होने के बाद रिकॉर्ड अपडेट कराने में सबसे ज्यादा दिक्कत सामने आती है। कई मामलों में महिला की पहले से समग्र आईडी बनी होती है, लेकिन विवाह के बाद पति के परिवार से नाम नहीं जुड़ पाता। कुछ मामलों में शादी के बाद दूसरी समग्र आईडी बन जाती है। इसके अलावा विवाह पंजीकरण सहित दस्तावेजों की प्रक्रिया और संबंधित जिम्मेदारों से समय पर संपर्क नहीं हो पाने से भी मामला लंबित रहता है। एएनसी का प्रथम त्रैमास में पंजीयन मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी के लिए महत्वपूर्ण है। आईडी और केवाईसी संबंधी अड़चन के कारण पंजीयन रुकने से पात्र महिलाओं को शासन की योजनाओं का लाभसमय पर नहीं मिल पा रहा है। प्रशासन ने अब पंचायत स्तर पर नियमित दिन तय कर समस्या दूर करने की व्यवस्था लागू की है।

क्या-क्या अड़चनें आ रही सामने

दूसरे राज्य की निवासी रही महिला की समग्र आईडी का रिकॉर्ड अपडेट नहीं। शादी के बाद पति के परिवार से नाम नहीं जुड़ना।विवाह के बाद दो अलग-अलग समग्र आईडी बनने की स्थिति। विवाह पंजीकरण सहित दस्तावेजों की प्रक्रिया जटिल होना। परिवार द्वारा समय पर आईडी बनवाने में रुचि नहीं लेना।संबंधित जिम्मेदारों से समय पर संपर्क नहीं हो पाना।



1.75 लाख के चेक बाउंस मामले में आरोपी दोषमुक्त, जिला सत्र न्यायालय ने सुनाया अहम फैसला

रीवा। 1.75 लाख के चेक बाउंस से जुड़े मामले में न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी रीवा की अदालत ने आरोपी विनय प्रताप सिंह उर्फ पिंटू को दोषमुक्त कर दिया। प्रकरण में आरोपी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विक्रम सिंह एवं सहयोगी अधिवक्ता कृष्णेंद्र सिंह सेंगर ने पैरवी की।
प्राप्त जानकारी के अनुसार परिवादी अखिल वाकडे ने आरोपी विनय प्रताप सिंह के खिलाफ परिवाद प्रस्तुत करते हुए आरोप लगाया था कि आरोपी ने उससे 1 लाख 75 हजार रुपए उधार लिए थे। कथित रूप से लिए गए ऋण की अदायगी के लिए आरोपी द्वारा चेक दिया गया, जिसे बैंक में प्रस्तुत करने पर वह बाउंस हो गया। इसके बाद परिवादी की ओर से न्यायालय में परिवाद दायर किया गया। मामले की सुनवाई के दौरान आरोपी की ओर से अधिवक्ता ने परिवादी का प्रति-परीक्षण किया। बचाव पक्ष की जिरह में चेक की प्राप्ति और कथित ऋण लेन-देन को लेकर महत्वपूर्ण तथ्य सामने रखे गए। बचाव पक्ष ने यह तर्क प्रस्तुत किया कि आरोपी ने परिवादी से कोई राशि उधार नहीं ली थी और जिस चेक के आधार पर परिवाद दायर किया गया, वह परिवादी को आरोपी ने नहीं दिया था।सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने दस्तावेजों एवं परिवादी के बयान का परीक्षण करते हुए न्यायालय के समक्ष यह पक्ष रखा कि संबंधित चेक परिवादी ने किसी अन्य व्यक्ति से प्राप्त किया था और उसका आरोपी के विरुद्ध कथित ऋण की अदायगी के लिए इस्तेमाल किया गया। बचाव पक्ष के अनुसार आरोपी और परिवादी के बीच ₹1.75 लाख के ऋण का कोई वास्तविक लेन-देन प्रमाणित नहीं हो सका। न्यायालय ने मामले में प्रस्तुत दस्तावेजों, पक्षकारों के बयानों तथा जिरह के दौरान सामने आए तथ्यों का परीक्षण किया। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी रीवा पन्ना नागेश ने आरोपी विनय प्रताप सिंह उर्फ पिंटू को मामले में दोषमुक्त करने का निर्णय पारित किया।

गांजे की खेफ के साथ पति-पत्नी गिरफ्तार, 7.936 किलो मादक पदार्थ और 20.80 लाख रुपए नकद बरामद

ग्राहक का इंतजार कर रहे थे दंपती, मनगवां थाना पुलिस ने की कार्रवाई



रीवा। नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चल रही कार्रवाई के बीच मनगवां थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गांजे की कथित डील से पहले एक दंपती को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से 7 किलो 936 ग्राम गांजा और 20 लाख 80 हजार रुपए नकद बरामद किए हैं। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत करीब 85 हजार रुपए बताई गई है। नकदी और गांजे को मिलाकर जब्त सामग्री की कुल कीमत करीब 21 लाख 65 हजार रुपए है।
पुलिस के मुताबिक बुधवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम कुईयां खुर्द तालाब की मेड़ पर बने मंदिर के पास एक पुरुष और महिला नीले रंग के बैग में गांजा लेकर बैठे हैं और ग्राहक का इंतजार कर रहे हैं। सूचना मिलते ही मनगवां पुलिस ने टीम गठित कर मौके की घेराबंदी की। पुलिस टीम को अपनी ओर आता देख दोनों ने मौके से भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिसकर्मियों ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। पुलिस द्वारा मौके पर तलाशी लेने पर दंपती के कब्जे से नीले रंग के बैग में रखा 7 किलो 936 ग्राम गांजा बरामद हुआ। इसके साथ ही पुलिस को 20 लाख 80 हजार रुपए नकद भी मिले। इतनी बड़ी रकम मिलने के बाद पुलिस अब नकदी के स्रोत और उसके इस्तेमाल को लेकर जांच कर रही है। पुलिस इस बिंदु पर भी जांच कर रही है कि इतनी बड़ी रकम आरोपियों के पास कहां से आई और इसका मादक पदार्थों के कारोबार से कोई संबंध है या नहीं। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि बरामद गांजा किसे दिया जाना था और इसके पीछे किसी बड़े नेटवर्क की भूमिका तो नहीं है।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान द्वारिका पटेल (56), निवासी कुईया कला, थाना मनगवां और उसकी पत्नी कलावती पटेल (50) के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मनगवां थाने में अपराध क्रमांक 524/2026 दर्ज कर एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20(बी) के तहत कार्रवाई की है। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक रीवा डॉ. गुरकरन सिंह के निर्देशन,मनगवां थाना प्रभारी निरीक्षक पुष्पेंद्र मिश्रा और पुलिस टीम द्वारा की गई।

सेवा संकल्प अभियान में सेवा सेतु शिविर त्योंथर में

रीवा । जिले भर में 17 अक्टूबर तक चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत 3 अक्टूबर को सेवा सेतु शिविर लगाए जा रहे हैं। विकासखण्ड त्योंथर में 3 अक्टूबर को जन विश्वास शिविर के साथ सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि शासन की उच्च प्राथमिकता के सेवा संकल्प अभियान तथा मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत आयोजित शिविर में सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई तथा लोक सेवा गारंटी योजना में दर्ज आवेदनों का निराकरण किया जाएगा। शिविर में खाद्य विभाग के हितग्राहियों की ई केवाईसी अपडेशन, आयुष्मान कार्ड बनाने, आधार कार्ड में सुधार तथा अन्य विभागों की योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा। कलेक्टर ने एसडीएम त्योंथर तथा सीईओ जनपद पंचायत त्योंथर को शिविर के लिए आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं।

विश्वविद्यालय कुलगुरु के खिलाफ एनएसयूआई की दंडवत यात्रा, दो किमी सड़क पर लेटकर कलेक्ट्रेट पहुंचे छात्र

हाथों में नारियल लेकर कॉलेज चौराहे से निकले कार्यकर्ता, राज्यपाल के नाम सौंपा 24 सूत्रीय ज्ञापन





रीवा। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर एनएसयूआई ने गुरुवार को अनूठे तरीके से विरोध प्रदर्शन किया। संगठन के जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में छात्र एवं कार्यकर्ता कॉलेज चौराहे से कलेक्ट्रेट कार्यालय तक करीब दो किलोमीटर की दूरी दंडवत यात्रा करते हुए सड़क पर लेटकर तय कर पहुंचे। कार्यकर्ताओं के हाथों में नारियल थे और रास्तेभर विश्वविद्यालय प्रशासन एवं कुलगुरु के खिलाफ नारेबाजी की गई। कलेक्ट्रेट पहुंचने के बाद एनएसयूआई कार्यकर्ता मुख्य गेट पर बैठ गए और कलेक्टर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपने की मांग करने लगे। प्रशासनिक अधिकारियों के मौके पर पहुंचने के बाद संगठन ने राज्यपाल के नाम 24 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। अधिकारियों ने ज्ञापन में लगाए गए आरोपों की जांच कराने का आश्वासन दिया। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय में कुलगुरु और कुछ चुनिंदा प्राध्यापकों के स्तर पर नियमों की अनदेखी की जा रही है। विश्वविद्यालय में अतिथि विद्वानों की नियुक्ति से लेकर विभिन्न विभागों में अतिरिक्त प्रभार दिए जाने तक कई मामलों में निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया।शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विभाग में पदस्थ विभाग प्रमुख को वित्तीय, अकादमिक समेत अन्य महत्वपूर्ण विभागों का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। एनएसयूआई ने पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है। एनएसयूआई का आरोप है कि प्रभावशाली लोगों से जुड़े व्यक्तियों की नियुक्तियों में नियमों की अनदेखी की गई। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े एक पदाधिकारी के बेटे और बहू की नियुक्तियों का उल्लेख करते हुए इनकी निष्पक्ष जांच की मांग की है। ज्ञापन में विश्वविद्यालय में शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया, अतिथि विद्वानों की नियुक्ति, विभिन्न विभागों में दिए गए अतिरिक्त प्रभार, प्रशासनिक एवं शैक्षणिक व्यवस्थाओं सहित छात्र हित से जुड़े कई मुद्दे उठाए गए हैं। एनएसयूआई ने आरोप लगाया कि भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव है और फैकल्टी से जुड़े मामलों में वित्तीय अनियमितताओं की आशंका है। पंकज उपाध्याय ने संबल मेधावी योजना से जुड़े विद्यार्थियों को होने वाली परेशानियों का मुद्दा भी उठाया। गरीब एवं मेधावी विद्यार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के बजाय नियमों के नाम पर परेशान किया जा रहा है। इस दौरान साथ में जिला उपाध्यक्ष सत्यम शुक्ला , अमन द्विवेदी ,गौरव पांडे रविसन साकेत जी,संगठन मंत्री अनिकेत पयासी,सचिव मोहित शुक्ला बालकिशन यादव रीवा विधानसभा अध्यक्ष संस्कार त्रिपाठी,सेमरिया विधानसभा अध्यक्ष वेद नारायण तिवारी, आदि छात्र नेता उपस्थित रहे।

छात्र संगठनों के साथ हो रहा भेदभाव

एनएसयूआई जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर छात्र संगठनों के साथ अलग-अलग व्यवहार करने का भी आरोप लगाया।विश्वविद्यालय परिसर में कार्यक्रमों और गतिविधियों को लेकर अलग-अलग छात्र संगठनों के लिए अलग मापदंड अपनाए जा रहे हैं। ज्ञापन में प्रशासनिक एवं शैक्षणिक कार्यप्रणाली की समीक्षा कराने की मांग की गई है।

एक हस्ताक्षर के लिए तीन महीने से भटक रहा अधिवक्ता, एसडीएम दफ्तर में उतारे कपड़े



रीवा। राजस्व प्रकरणों में लंबी प्रक्रिया और बार-बार लगने वाली तारीखों से परेशान एक अधिवक्ता ने गुरुवार को रीवा एसडीएम कार्यालय में ऐसा कदम उठा लिया, जिसने प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। अधिवक्ता संतोष कुमार पांडे अपनी समस्या लेकर कार्यालय पहुंचे और कार्रवाई में हो रही देरी के विरोध में कपड़े उतारने की स्थिति में आ गए। अधिवक्ता का आरोप है कि राजस्व प्रकरण से जुड़े सभी आवश्यक काम कई महीने की प्रक्रिया के बाद पूरे कर लिए गए हैं। फाइल आदेश के स्तर तक पहुंच चुकी है, लेकिन अब केवल एक हस्ताक्षर के लिए उन्हें करीब तीन महीने से कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। बार-बार तारीख मिलने से परेशान होकर उन्होंने अपना विरोध इस तरह दर्ज कराया। अधिवक्ता संतोष कुमार पांडे के मुताबिक, संबंधित राजस्व प्रकरण में उन्होंने निर्धारित प्रक्रिया के तहत लंबे समय तक पैरवी की। दस्तावेजों से लेकर अन्य आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कराने में कई महीने लग गए। उनका कहना है कि जब प्रकरण अंतिम चरण में पहुंचा तो आदेश से संबंधित फाइल पर हस्ताक्षर के लिए उन्हें लगातार कार्यालय बुलाया जा रहा है, लेकिन काम पूरा नहीं हो पा रहा। अधिवक्ता का कहना है कि एक हस्ताक्षर के लिए करीब तीन महीने से तारीख पर तारीख मिल रही है। उनका आरोप है कि हर बार उम्मीद रहती है कि इस बार काम पूरा हो जाएगा, लेकिन फिर अगली तारीख दे दी जाती है।अधिवक्ता ने अपनी परेशानी बताते हुए कहा कि प्रकरण में उनका पक्षकार नागपुर में रहता है। जब भी उसकी मौजूदगी जरूरी होती है, उसे नागपुर से रीवा बुलाना पड़ता है। इसके लिए आने-जाने का खर्च, समय और कामकाज प्रभावित होने जैसी परेशानियां पक्षकार को उठानी पड़ती हैं। उन्होंने कहा कि जब पूरी प्रक्रिया पूरी कराने के बाद भी केवल हस्ताक्षर के लिए लगातार कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ें तो फरियादी के सामने निराशा के अलावा कोई रास्ता नहीं बचता। गुरुवार को एसडीएम कार्यालय में अधिवक्ता के विरोध का तरीका देखते ही वहां मौजूद लोगों का ध्यान उनकी ओर चला गया। अधिवक्ता ने प्रशासनिक व्यवस्था के प्रति नाराजगी जताते हुए कपड़े उतारकर विरोध दर्ज कराया। उनका कहना था कि सामान्य तरीके से शिकायत और आवेदन देने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ, इसलिए उन्हें इस तरह विरोध करने के लिए मजबूर होना पड़ा। घटना के बाद कार्यालय में कुछ देर के लिए स्थिति असहज हो गई।

पासपोर्ट आवेदन में पता सही तो 24 घंटे में होगा पुलिस वेरिफिकेशन

पासपोर्ट सत्यापन को लेकर कार्यशाला
100 से ज्यादा पुलिसकर्मियों को दिया प्रशिक्षण

रीवा।

पासपोर्ट बनवाने के दौरान पुलिस वेरिफिकेशन में होने वाली देरी और आवेदकों की शिकायतों को कम करने के लिए रीवा में पुलिसकर्मियों की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय भोपाल, पुलिस मुख्यालय भोपाल और रीवा पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के रीवा कैंपस में आयोजित कार्यशाला में रीवा और शहडोल संभाग के थानों तथा जिला विशेष शाखा में पासपोर्ट सत्यापन का काम करने वाले 100 से अधिक पुलिसकर्मी शामिल हुए। कार्यशाला में पुलिस वेरिफिकेशन के दौरान आने वाली व्यवहारिक समस्याओं, आवेदनों के समयबद्ध निराकरण और दस्तावेजों की जांच से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों को बताया कि आवेदन में दी गई जानकारी की सही तरीके से जांच होने पर सत्यापन प्रक्रिया तेजी से पूरी की जा सकती है।



कार्यशाला को मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन गौरव राजपूत ने संबोधित किया। उन्होंने पासपोर्ट सत्यापन की प्रक्रिया में सावधानी और समयबद्धता के महत्व पर पुलिसकर्मियों को मार्गदर्शन दिया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक रीवा डॉ. गुरकरन सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भावना मरावी, आरपीओ भोपाल के ओएसडी अमित मिश्रा, वरिष्ठ अधीक्षक जयपाल सिंह और जिला पासपोर्ट सेल प्रभारी निरीक्षक शिवानी सिंह प्रमुख रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय थाना प्रभारी निरीक्षक हितेन्द्रनाथ शर्मा ने किया।



पता भरने में छोटी गलती से लंबित हो सकता है आवेदन

कार्यशाला में आरपीओ भोपाल के वरिष्ठ अधीक्षक जयपाल सिंह ने पासपोर्ट आवेदकों की होने वाली सामान्य गलतियों पर विशेष जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आवेदन करते समय पता या अन्य आवश्यक जानकारी भरने में हुई छोटी सी गलती भी पुलिस वेरिफिकेशन की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। यदि आवेदन में सही और स्पष्ट जानकारी दी गई है तो पुलिस सत्यापन 24 घंटे के भीतर पूरा किया जा सकता है।
उन्होंने आवेदकों से अपील की कि पासपोर्ट आवेदन जमा करने से पहले उसमें भरी गई प्रत्येक जानकारी को ध्यान से जांचें। विशेष रूप से वर्तमान और स्थायी पते, व्यक्तिगत विवरण तथा अन्य आवश्यक जानकारियों को सही तरीके से दर्ज किया जाए। आवेदन में किसी तरह की त्रुटि पाए जाने पर फीस जमा करने और अपॉइंटमेंट बुक करने से पहले उसे ठीक कर लेना चाहिए।

आपराधिक प्रकरण की जानकारी छिपाने पर बढ़ सकती है परेशानी

अधिकारियों ने बताया कि पासपोर्ट आवेदन में आवेदक के खिलाफ दर्ज आपराधिक प्रकरण और न्यायालय से हुए निर्णय की जानकारी भी स्पष्ट रूप से दी जानी चाहिए। किसी आपराधिक मामले की जानकारी छिपाने या गलत तथ्य प्रस्तुत करने से पुलिस सत्यापन के दौरान मामला लंबित हो सकता है और आवेदक को अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। प्रशिक्षण में पुलिसकर्मियों को यह भी बताया गया कि आपराधिक मामलों में फरार आरोपियों अथवा लंबित प्रकरणों से जुड़े व्यक्तियों के पासपोर्ट सत्यापन के दौरान किन बिंदुओं की जांच आवश्यक है। इसके लिए केस स्टडी के माध्यम से अलग-अलग परिस्थितियों को समझाया गया।

सितंबर माह में एनसीएल से सेवानिवृत्त हुए 40 कर्मी

सिंगरौली

सोमवार को सिंगरौली स्थित कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) से सितंबर माह के अंत में 4 अधिकारी और 36 कर्मचारी सहित कुल 40 कर्मी सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर एनसीएल मुख्यालय में सेवानिवृत्त कर्मियों के सम्मान में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। मुख्यालय से महाप्रबंधक (खनन/सीईटीआई), राजन मेक, सीएमएस, केंद्रीय चिकित्सालय, डॉ संगीता तिवारी और पंप ऑपरेटर, नगर प्रशासन (सिविल), किशन चंद सेवानिवृत्त हुए।

अभिनंदन समारोह के दौरान एनसीएल सीएमडी, एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (मानव संसाधन), मनीष कुमार, निदेशक (तकनीकी), आशुतोष द्विवेदी, मुख्यालय से महाप्रबंधक एवँ विभागाध्यक्षगण, अधिकारी, कर्मचारी तथा सेवानिवृत कर्मियों के परिजन उपस्थित रहे।

इस दौरान अपने उद्बोधन में सीएमडी एनसीएल, एन. फ्रैंकलिन जयकुमार ने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि अनुभवी कर्मियों की विदाई कंपनी के लिए एक बड़ी क्षति है, और उन्होंने एनसीएल



की सफलता में उनके उत्कृष्ट योगदान की सराहना की इसी क्रम में निदेशक (मानव संसाधन), मनीष कुमार और निदेशक (तकनीकी),आशुतोष द्विवेदी ने भी सेवानिवृत्त कर्मियों के सुखद एवं मंगलमय भविष्य की कामना करते हुए उन्हें जीवन की नई पारी के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

अभिनंदन समारोह के दौरान सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों ने भी अपने सेवाकाल के अनुभव साझा किए। उन्होंने एनसीएल और कोल इंडिया परिवार के प्रति आभार जताया एवं कंपनी की उत्तरोत्तर प्रगति और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एनसीएल की विभिन्न परियोजनाओं एवं इकाइयों में भी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों के सम्मान में विदाई एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किए गए।

एनटीपीसी-विंध्याचल द्वारा 03 कर्मचारियों के सेवानिवृत होने पर दी गई गरिमामयी विदाई

सिंगरौली। एनटीपीसी-विंध्याचल परियोजना मे दिनांक 30.09.2026 को अपनी दीर्घ सेवा देने के पश्चात कुल 03 कर्मचारी सेवानिवृत हुए। सेवानिवृत होने वाले कर्मचारी इस प्रकार से हैं : - श्री राधाकांत हालदार, अभियंता एस एल पीएस (प्रचालन), श्री राजकुमार, अभियंता एस एल पीएस (बीएमडी), श्री देवपति सिंह, प्रचालक(फ्यूल हैंडिलिंग)। सर्वप्रथम सेवानिवृत होने वाले कर्मचारी द्वारा उमंग भवन के प्रांगण मे पर्यावरण संरक्षण की प्रतिबद्धता को दोहराते हुये वृक्षारोपण किया गया। इसके पश्चात सेवानिवृत होने वाले कर्मचारी का सम्मान परियोजना के उमंग भवन सभागार में किया गया। स्वागत की कड़ी में कार्यकारी निदेशक(विंध्याचल) श्री किशोर कुमार होता एवं महाप्रबंधक(प्रचालन एवं अनुरक्षण) श्री एम सुरेश ने सभी सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों का पुष्पमाला से स्वागत किया। साथ ही परियोजना की यूनियन/एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने भी पुष्पमाला पहनाकर अतिथि कर्मचारियों का स्वागत किया। इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक(विंध्याचल) श्री किशोर कुमार होता ने सभी सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि एनटीपीसी-विंध्याचल को वर्तमान ऊंचाइयों तक पहुंचाने में आपके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा और एनटीपीसी-विंध्याचल सदा ही आपकी सेवा के लिए आपका कृतज्ञ रहेगा। साथ ही महाप्रबंधक(प्रचालन एवं अनुरक्षण) श्री एम सुरेश ने भी सभी सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों को अपने जीवन की नई पारी की नए सिरे से शुरुआत करने हेतु शुभकामनायें दीं तथा सभी के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इसी कड़ी मे विभागाध्यक्षों ने भी सभी सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों को शुभकामनायें दीं तथा सभी के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। सम्मान की कड़ी में सेवानिवृत होने वाले सभी कर्मचारियों का



कार्यकारी निदेशक(विंध्याचल) श्री किशोर कुमार होता एवं अन्य महाप्रबंधकगणों द्वारा श्रीफल, शाल एवं स्मृति-चिन्ह से सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त सभी सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों को एनटीपीसी मे उनके द्वारा दी गई दीर्घ सेवाओं के लिए दीर्घ सेवा प्रमाण-पत्र आदि भी प्रदान किया गया । तत्पश्चात सेवानिवृत कर्मचारीगण ने भी मंच पर आकर अपने अनुभव साझा किए और एनटीपीसी के साथ बिताए गए समय को अविस्मरणीय बताया। उन्होंने कहा कि उनकी पहचान एनटीपीसी के कारण ही बनी है और वे सदैव इसके आभारी रहेंगे। उन्होंने अपने सहकर्मियों के सहयोग और स्नेह के लिए विशेष धन्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर महाप्रबंधकगण, विभागाध्यक्षगण, यूनियन एवं एसोसिएशन प्रतिनिधिगण, संबंधित विभागों के कर्मचारी तथा सेवानिवृत कर्मचारियों के परिजन उपस्थित रहे। समारोह का सफल संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन) श्रीमती पूर्णिमा चतुर्वेदी द्वारा किया गया।